रात्रि क्लास 20/8/62

जब पूरी धारणा होगी तब ही आज़ादी मिलेगी। हमारी आज़ादी है माया से। जब आज़ादी मिलती है तो कंगन बांधते हैं। प्रतिज्ञा करेंगे, रखड़ी बांधेंगे त.... आज़ादी मिलेगी। इस पर अजुन कोई ने भाषण नहीं किया है। हमें सच्ची आज़ादी मिलनी है माया से, न कि फिरंगियों से। माया से आज़ादी रखड़ी बंधन से हो सकती है। माया भी फिरंगी है। वो भी फॉरेनर है वो भी आकर राज्य करती है। सारी दुनिया (पर) माया का तो राज्य है। अभी रावण का राज्य है। अब फिर 21जन्म लिए माया से आज़ादी अर्थात् सदा सुख मिलता है। आज़ादी को समझने वाले हम ब्राह्मण ही हैं, दूसरा कोई समझ न सके। इतनी ऊँची बातें समझते फिर कौन हैं? कुबजाएँ, अहिल्याएँ। बड़ी भारी पढ़ाई है। ऊँच ते ऊँच की ही जयन्ती मनाने से खुशी होती है। सो भी अब जबकि उनका जन्म हुआ। समझना चाहिए **K.** जयन्ती से ऊँच जयन्ती कोई होगी? **K.** तो है मनुष्य सृष्टि में सबसे ऊँच। उनसे भी कोई ऊँच होंगे। तो ... सिद्ध कर बताना है, **K.** से सृष्टि को पवित्रता–सुख–शांति नहीं मिलती है। **K.** को भी यह वर्सा कोई से मिला, तो उस ऊँच ते ऊँच की जयन्ती मनानी चाहिए। **K.** से ऊपर हैं ब्र.वि.शं. उनसे ऊँच फिर **P.**। उनकी ही जयन्ती मनानी है। ऊँच ते ऊँच निराकार **P.** वो ही गीता का भगवान था। यह क्लीयर करना चाहिए। यह .... क्लीयर हो गई तो फिर **B.K.** को आफरीन मिलेगी। मिलनी तो है, बाप तो बैठे हैं ना आफरीन देने वाला। भारत इस समय कंगाल है। कितना कर्जा ले रहे हैं। ऐसे नहीं कि वे जानते हैं कि हमको कर्जा देना नहीं है। यह राज़ तो हम जानते हैं। वे तो समझते हैं ब्याज भरना है, कर्जा देना है। अपन से यदि वो पूछें तो हम उनको बेफिकर कर सकते हैं। यदि माने तो भारत को ..... लिए पैसा बहुत चाहिए। नहीं तो पाकिस्तान वाले तंग करेंगे। सर्विस करने की युक्तियाँ बहुत हैं। सिफ कोई युक्ति बांधे। उनको फिर कोई रोक नहीं.....